



Quran Plus School



नमाज़ का तरीका

जाफ़री (शिया)

وَأَقِمْوَا الصَّلَاةَ

कुरआन 2:43

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या करना है, क्या पढ़ना है और उसका मतलब क्या है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

इस फ़िक्ह का परिचय

शिया इस्ना अशरी फ़िक्ह, जो इमाम जाफ़र सादिक (अलैहिस्सलाम, 83-148 हिजरी) से मंसूब है। ज़्यादातर ईरान, इराक़, बहरैन, लेबनान, आज़रबाइजान और पाकिस्तान व भारत की शिया आबादी में माना जाता है। तफ़सीली मसाइल में अपने मरजा-ए-तक़लीद के फ़तवों पर अमल किया जाता है।

नमाज़ से पहले



बुझू करें।



जिस्म, कपड़े और नमाज़ की जगह पाक हो।



जिस्म अच्छी तरह ढकें (लड़कियाँ और औरतें चेहरे और हाथों के सिवा पूरा जिस्म)।



नमाज़ उसके वक़्त में, क़िबला रुख़ होकर पढ़ें।

पाँचों नमाज़ों की रकअतें

फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मगरिब	इशा	वित्र
2	4	4	3	4	2 रकअत (शफ़अ) के बाद 1 रकअत — मुस्तहब नमाज़-ए-शब
फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	फ़र्ज़ · आहिस्ता	फ़र्ज़ · आहिस्ता	फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	

यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- क्रदम पूरी नमाज़ दिखाते हैं। दो रकअत वाली नमाज़ (जैसे फ़ज़्र) में दूसरी रकअत के बाद वाला क़ादा ही आखिरी क़ादा है — सीधे «क़ादा-ए-अख़ीरा» पर जाएँ।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क्रदम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ूज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- पहले हरकतें सीखें, फिर एक-एक करके अल्फ़ाज़ याद करें। किसी बड़े के साथ मशक़ करें।

एहतियाम की बात

नमाज़ के ये पाँचों तरीक़े क़ुरआन और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मक़तब-ए-फ़िक्ह ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान रहनुमा है, जैसा कि हर मक़तब में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।

लड़कियों और औरतों के लिए

औरतों के लिए फ़ज़्र, मगरिब और इशा में बुलंद आवाज़ से पढ़ना ज़रूरी नहीं।



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

1 नीयत

क्रिबला रुख खड़े हों और दिल में नीयत करें कि यह नमाज़ अल्लाह की इताअत के लिए (कुर्बतन इलल्लाह) पढ़ रहे हैं।

2 तकबीरतुल-एहराम

दोनों हाथ कानों तक उठाएँ और “अल्लाहु अकबर” कहें।

तकबीर

اللَّهُ أَكْبَرُ
अल्लाहु अकबर

मतलब: अल्लाह सबसे बड़ा है।

3 हाथ खुले ◆ मसलकों में फ़र्क

हाथ दोनों तरफ़ या रानों पर रखें — उन्हें बाँधा नहीं जाता।

4 सूरह फ़ातिहा और एक सूरह ◆ मसलकों में फ़र्क

पहली दो रकअतों में बिस्मिल्लाह के साथ सूरह फ़ातिहा और फिर एक पूरी सूरह पढ़ें। फ़ज्र, मग़रिब और इशा में (मर्द) बुलंद आवाज़ से, जुहर और अस्म में आहिस्ता पढ़ें। सूरह फ़ातिहा के बाद “आमीन” नहीं कहा जाता।

बिस्मिल्लाह

📖 कुरआन 1:1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
बिस्मिल्लाहिर-रहमानिर-रहीम

मतलब: अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, बहुत रहम करने वाला है।

किसी बड़े के साथ मश्क़

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता दो रकअत पढ़ें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुम्मा

शनि

इतवार



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

4 • सूरह फ़ातिहा और एक सूरह (जारी)

सूरह फ़ातिहा

कुरआन 1:2-7

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعَالَمِيْنَ ۝ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۝ مَلِكِ يَوْمِ الدِّيْنِ ۝ اِيَّاكَ نَعْبُدُ وَاِيَّاكَ
نَسْتَعِيْنُ ۝ اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْمَ ۝ صِرَاطَ الَّذِيْنَ اَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ۝ غَيْرِ
الْمَغْضُوْبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّيْنَ

अल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल-आलमीन। अर्रहमानिर-रहीम। मालिकि यौमिद-दीन। इय्याका नअबुदु व इय्याका नस्तईन।
इहिदिनस-सिरातल-मुस्तक़ीम। सिरातल-लज़ीना अन्अम्ता अलैहिम, ग़ैरिल-मगज़ूबि अलैहिम व लज़-ज़ाल्लीन

मतलब: सब तारीफ़ें अल्लाह के लिए हैं जो सारे जहानों का रब है, बहुत मेहरबान, बहुत रहम करने वाला, बदले के दिन का मालिक। हम तेरी ही इबादत करते हैं और तुझ ही से मदद माँगते हैं। हमें सीधा रास्ता दिखा, उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने इनाम किया, न उनका जिन पर ग़ज़ब हुआ और न गुमराहों का।

एक छोटी सूरह — सूरह इखलास

कुरआन 112:1-4

قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ ۝ اللّٰهُ الصَّمَدُ ۝ لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ۝ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا
اَحَدٌ

कुल हुवल्लाहु अहद। अल्लाहुस-समद। लम यलिद व लम यूलद। व लम यकुल-लहू कुफुवन अहद

मतलब: कह दीजिए: वह अल्लाह एक है। अल्लाह बेनियाज़ है। न उसकी कोई औलाद है और न वह किसी की औलाद है। और कोई उसके बराबर नहीं।

5 कुनूत (दूसरी रकअत में)

♦ मसलकों में फ़र्क़

दूसरी रकअत में सूरह के बाद और रुकू से पहले दोनों हाथ चेहरे के सामने उठाकर दुआ करें (मुस्तहब)।

कुनूत — कोई भी दुआ, जैसे

कुरआन 2:201

رَبَّنَا آتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ
रब्बना आतिना फ़िद-दुन्या हसनतन व फ़िल-आखिरति हसनतन व फ़िना अज़ाबन-नार

मतलब: ऐ हमारे रब! हमें दुनिया में भी भलाई दे और आखिरत में भी भलाई दे, और हमें आग के अज़ाब से बचा।



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

6

रुकू

◆ मसलकों में फ़र्क

“अल्लाहु अकबर” कहकर इतना झुकें कि हाथ घुटनों तक पहुँच जाएँ। (एक बार, या 3 बार “सुब्हानल्लाह”) कहें, फिर पूरी तरह सीधे खड़े हों:

रुकू का ज़िक्र

📖 जाफ़री फ़िज़ह की अहकाम की किताबें

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ وَبِحَمْدِهِ
सुब्हाना रब्बियल-अज़ीमि व बिहमदिह

मतलब: पाक है मेरा रब जो अज़मत वाला है, और उसी की तारीफ़ है।

7

सज्दा

◆ मसलकों में फ़र्क

ज़मीन पर या ज़मीन से उगने वाली ऐसी चीज़ पर सज्दा करें जो खाई या पहनी न जाती हो — जैसे मिट्टी की तुर्बा (सज्दागाह), लकड़ी या पत्ता। माथा, दोनों हथेलियाँ, दोनों घुटने और दोनों पैरों के अंगूठे ज़मीन पर हों। कहें:

सज्दे का ज़िक्र

📖 जाफ़री फ़िज़ह की अहकाम की किताबें

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى وَبِحَمْدِهِ
सुब्हाना रब्बियल-अअला व बिहमदिह

मतलब: पाक है मेरा रब जो सबसे बुलंद है, और उसी की तारीफ़ है।

8

दो सज्दों के बीच बैठना

इत्मीनान से बैठें, (मुस्तहब है कि) कहें, फिर दूसरा सज्दा करें:

दो सज्दों के बीच

📖 जाफ़री फ़िज़ह की अहकाम की किताबें (मुस्तहब)

أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ رَبِّي وَأَتُوبُ إِلَيْهِ
अस्तग़फ़िरुल्लाहा रब्बी व अतूबु इलैह

मतलब: मैं अल्लाह से, जो मेरा रब है, बख़्शिश माँगता हूँ और उसी की तरफ़ रुजू करता हूँ।

9

दूसरी रकअत

दूसरी रकअत के लिए खड़े हों और उसे पहली की तरह पढ़ें, रुकू से पहले कुनूत के साथ।

नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

10

तशह्हुद

◆ मसलकों में फ़र्क

दूसरी रकअत के बाद (और आखिरी रकअत में) बैठकर तशह्हुद पढ़ें:

तशह्हुद

📖 जाफ़री फ़िक्ह की अहकाम की किताबें (जैसे तौज़ीहुल-मसाइल, आयतुल्लाह सीस्तानी)

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ، وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ،
اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَآلِ مُحَمَّدٍ

अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु वहदहू ला शरीका लह, व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहू व रसूलुह। अल्लाहुम्मा सल्लि अला मुहम्मदिव-व आलि मुहम्मद

मतलब: मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं। ऐ अल्लाह! मुहम्मद ﷺ और आले मुहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमा।

11

तीसरी और चौथी रकअत

◆ मसलकों में फ़र्क

तीसरी और चौथी रकअत में आहिस्ता से या तो सूरह फ़ातिहा पढ़ें या तस्बीहात-ए-अरबआ (3 बार पढ़ना बेहतर है):

तस्बीहात-ए-अरबआ (3 बार)

📖 जाफ़री फ़िक्ह की अहकाम की किताबें (जैसे तौज़ीहुल-मसाइल, आयतुल्लाह सीस्तानी)

سُبْحَانَ اللَّهِ وَالْحَمْدُ لِلَّهِ وَلَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَاللَّهُ أَكْبَرُ

सुब्हानल्लाहि वल-हम्दु लिल्लाहि व ला इलाहा इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबर

मतलब: अल्लाह पाक है, सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है, अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और अल्लाह सबसे बड़ा है।

12

सलाम

◆ मसलकों में फ़र्क

आखिरी तशह्हुद के बाद सलाम के साथ नमाज़ ख़त्म करें:

सलाम

📖 जाफ़री फ़िक्ह की अहकाम की किताबें (जैसे तौज़ीहुल-मसाइल, आयतुल्लाह सीस्तानी)

السَّلَامُ عَلَيْكَ أَيُّهَا النَّبِيُّ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَكَاتُهُ
السَّلَامُ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللَّهِ الصَّالِحِينَ
السَّلَامُ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَكَاتُهُ

अस्सलामु अलैका अय्युहन-नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुह। अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस-सालिहीन।
अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाहि व बरकातुह

मतलब: ऐ नबी! आप पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें। हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर सलाम हो। आप सब पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें।



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

13 नमाज़ के बाद

हाथ उठाकर 3 बार “अल्लाहु अकबर” कहें, फिर तस्बीह-ए-फ़ातिमा ज़हरा (अलैहिस्सलाम) पढ़ें:

तस्बीह-ए-फ़ातिमा ज़हरा (अलैहिस्सलाम)

जाफ़री फ़िक्ह की अहकाम की किताबें

×34

اللَّهُ أَكْبَرُ

×33

الْحَمْدُ لِلَّهِ

×33

سُبْحَانَ اللَّهِ

अल्लाहु अकबर (34×) · अल्हम्दु लिल्लाह (33×) · सुब्हानल्लाह (33×)

मतलब: अल्लाह सबसे बड़ा है · सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है · अल्लाह पाक है।



याद रखने की बातें

मसलकों में फ़र्क

हर नमाज़ की दूसरी रकअत में कुनूत मुस्तहब है। ज़ुहर और अस्, और मगरिब और इशा, एक के बाद एक मिलाकर पढ़ी जा सकती हैं।
वित्र 2 रकअत (शफ़अ) के बाद 1 रकअत है, जो मुस्तहब नमाज़-ए-शब का हिस्सा है।

आज मेरी नमाज़ के औक़ात

घर या मस्जिद से पूछकर आज के औक़ात लिखें।

फ़ज़्र

ज़ुहर

अस्

मगरिब

इशा

मुझे ज़बानी याद अल्फ़ाज़

उन अज़कार के नाम लिखें जो आप बिना देखे पढ़ सकते हैं।

पाँचों, वक़्त पर

जिस दिन पाँचों नमाज़ों वक़्त पर पढ़ें, एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुमा

शनि

इतवार



नमाज़ का तरीका — जाफ़री (शिया)

मेरी नमाज़ का ट्रैकर

हर वह नमाज़ जो वक़्त पर पढ़ें, उसका गोला रंग दें।

हफ़्ता 1

	फ़ज्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

हफ़्ता 2

	फ़ज्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

मुझे ये ज़बानी याद हैं

बिस्मिल्लाह ☐	सूरह फ़ातिहा ☐	एक छोटी सूरह — सूरह इखलास ☐
कुनूत — कोई भी दुआ, जैसे ☐	रुकू का ज़िक्र ☐	सज्दे का ज़िक्र ☐
दो सज्दों के बीच ☐	तशह्हुद ☐	तस्बीहात-ए-अरबआ (3 बार) ☐
सलाम ☐	तस्बीह-ए-फ़ातिमा ज़हरा (अलैहिस्सलाम) ☐	

उस्ताद के दस्तखत

वालिदैन के दस्तखत



सर्टिफिकेट

رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

नमाज़ का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

जाफ़री (शिया)



तारीख

उस्ताद / वालिदैन